ऐसा देश दीवाना संतो राजस्थानी भजन लिरिक्स

ऐसा देश दीवाना संतो,

दोहा – शब्दा मारया मर गया,
शब्दों छोड़या राज,
जो नर शब्द विवेकिया,
भाई उण रा सरिया काज।

ऐसा देश दीवाना संतो,
ऐसा देश दीवाना,
भेळा हैं पर भिळता नाही,
गुरु मुखी ज्ञानी जाणा।bd।

तीर्थ करूँ न जप तप साजू,
नही धरूँ मैं ध्याना,
ऐसा होय खलक में खेलूं,
नही मूर्ख नहीं स्याणा।bd।

पग बिना पन्थ नेण बिना निरखु,
बिना श्रवण सुण लेणा,
बिना घ्राण वो लेत सुगंधी,
बिना रसना रस पीणा।bd।

सहज सरोवर सिवरत हंसा,
पर बिन किया पियाणा,
मान सरोवर मोती मुकता,
निर्मल नीर निवाणा।bd।

ईयू जाणियो जगदीश जुगत कर,
पिंड बिन पुरुष पुराणा,
कह बन्नानाथ सकल में व्याप्त,
घाट बाट नहीं कहणा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ऐसा देश दीवाना संतों,
ऐसा देश दीवाना,
भेळा हैं पर भिळता नाही,
गुरु मुखी ज्ञानी जाणा।bd।

गायक – प्रेमनाथ जी।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार।
आकाशवाणी सिंगर।
9785126052

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com